german cooperation
DEUTSCHE ZUSAMMENARBEIT

Co-funded by the European Union

Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Himachal Pradesh Forest Department

mp forest department

लिंग-संवेदनशील वनीय पारिस्थितिक तंत्रों का प्रबंधन और कृषि वानिकी का सुदृढ़ीकरण (G-VAN)

संदर्भ

भारत के वनीय पारिस्थितिक तंत्र, भौगोलिक क्षेत्र के 21.76% (ISFR 2023) और कृषि वानिकी के अंतर्गत 8.65% (GROW -रिपोर्ट 2024, नीति आयोग) को कवर करते हैं, जो ग्रामीण आजीविका का समर्थन करने, पारिस्थितिक तंत्र की सेवाएं प्रदान करने और देश के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) को पूरा करने के लिए कार्बन सिंक के रूप में कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में 275 मिलियन ग्रामीण लोग आजीविका सुरक्षा के लिए वनों पर निर्भर हैं, आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोग गैर-लकड़ी वन उत्पादों (NTFP) और कई अन्य पारिस्थितिक सेवाओं के लिए सीधे वनों पर निर्भर हैं (पांडे एवं अन्य 2016, ISFR 2023)। हालांकि, बढ़ते जलवायुवीय जोखिम–बाढ़, सूखा और हीटवेव–पारिस्थितिक तंत्र और ग्रामीण कल्याण के लिए खतरा हैं। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए यह आवश्यक है कि लैंगिक परिप्रेक्ष्य को एकीकृत किया जाए, तथा पुरुषों एवं महिलाओं द्वारा वनों और कृषि वानिकी पारिस्थितिक तंत्र की सेवाओं के प्रबंधन और उपयोग के विभिन्न पद्धतियों को पहचाना जाए।

परियोजना का नाम	लिंग-संवेदनशील वनीय पारिस्थितिक तंत्र का प्रबंधन और कृषि वानिकी का सुदृढ़ीकरण (G-VAN)
द्वारा अधिकृत	जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय (BMZ)
परियोजना क्षेत्र	हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश
प्रमुख कार्य निष्पादन एजेंसी	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), भारत सरकार
अवधि	सितम्बर 2024 - जुलाई 2028

उद्देश्य

भारत के चुनिंदा राज्यों में वन और कृषि वानिकी पारिस्थितिक तंत्रों के लिंग-संवेदनशील और जलवायु-अनुकूल प्रबंधन को मजबूत किया गया है।

पृष्ठ *1*

बाएँ से दाएँ: वन और कृषि वानिकी पारिस्थितिक तंत्र की सेवाओं से जुड़े समुदाय।

चित्र: © GIZ/आशिमा नेगी

चित्र: © GIZ/आशिमा नेगी

पृष्ठ 2

फसलों के साथ पेड़ों का संयोजन खेती को पर्यावरण अनुकूल बनाता है और जैव विविधता को बढ़ावा देता है।

संपर्क सूत्र

डॉ. संजय तोमर,
परियोजना प्रबंधक,
sanjay.tomar@giz.de

हमारा दृष्टिकोण

अपने पिछले चरण के दौरान, वनीय पारिस्थितिक तंत्र की सेवाओं के सतत प्रबंधन (2021-2024) से प्राप्त सबक के आधार पर, लिंग-संवेदनशील वनीय पारिस्थितिक तंत्र के प्रबंधन और कृषि वानिकी सुदृढ़ीकरण (G-VAN) परियोजना ने हाल ही में अपना कार्यान्वयन शुरू किया है। भू-दृश्य-स्तरीय दृष्टिकोण अपनाते हुए, यह परियोजना प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को पर्यावरण और आजीविका संबंधी विचारों के साथ जोड़ती है। यह दृष्टिकोण बहु-हितधारक नियोजन और क्षेत्रीय एकीकरण का समर्थन करेगा, भू-दृश्य स्तर पर विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के लिए सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संबंधों का लाभ उठाएगा।

निम्नलिखित तीन मुख्य कार्य क्षेत्र परियोजना के कार्यान्वयन दृष्टिकोण को परिभाषित करते हैं:

- लिंग-संवेदनशील और जलवायु-अनुकूल वन एवं कृषि-वानिकी प्रबंधन के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करना।
- लिंग-संवेदनशील और जलवायु-अनुकूल वन एवं कृषि वानिकी प्रबंधन के न्यायसंगत नियोजन और व्यावहारिक कार्यान्वयन में भागीदारों का समर्थन करना।
- वन और कृषि वानिकी पारिस्थितिक तंत्र के टिकाऊ प्रबंधन के माध्यम से स्थानीय समुदायों, विशेषकर महिलाओं और हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना।

वर्ष 2030 की कार्यसूची में योगदान

अपेक्षित परिणाम

- लिंग-संवेदनशील और जलवायु-अनुकूल वन एवं कृषि-वानिकी प्रबंधन के लिए तकनीकी और संस्थागत क्षमताओं को मजबूत किया जाएगा।
- वन और कृषि वानिकी क्षेत्रों का प्रबंधन तेजी से लिंग-संवेदनशील और जलवायु-लचीले तरीके से किया जा रहा है, जो आधिकारिक तौर पर स्वीकृत विकास योजनाओं के अनुरूप है।
- संबंधित हितधारकों के साथ समन्वयन से लिंग-संवेदनशील नियोजन दस्तावेज, प्रक्रियाएं, पाठ्यक्रम, वित्त पोषण कार्यक्रमों के लिए दिशानिर्देश प्रकाशित किए जाएँगे।
- वन एवं कृषि वानिकी पारिस्थितिक तंत्र के सतत प्रबंधन के माध्यम से स्थानीय स्वयं सहायता समूहों और एफपीओ की आय में वृद्धि।

परियोजना लागू करने वाले राज्य

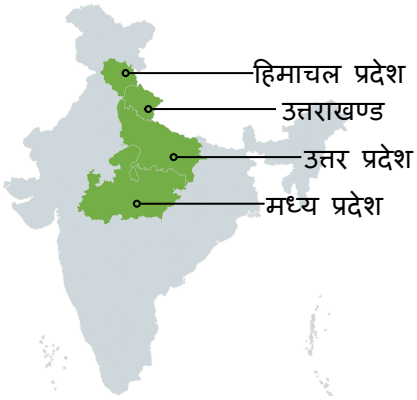

मानचित्र अस्वीकरण: प्रयुक्त भौगोलिक मानचित्र केवल सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है और यह अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रों की मान्यता नहीं है; *GIZ* मानचित्रों की वैधता, सटीकता या पूर्णता के संबंध में कोई दावा नहीं करता है और न ही इसमें दी गई जानकारी के उपयोग के परिणामस्वरूप कोई दायित्व स्वीकार करता है।

Published by: Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

Registered offices in Bonn and Eschborn, Germany.

Strengthening Gender Responsive Forest Ecosystems Management and Agroforestry,
Indo-German Biodiversity Programme
A-2/18, Safdarjung Enclave,
New Delhi-110029, India
T: +91 11 4949 5353
E: biodiv.india@giz.de
W: www.giz.de/india

Photo credits: GIZ/Aashima Negi

On behalf of: Federal Ministry for Economic Cooperation and Development (BMZ)

In cooperation with: Ministry of Environment, Forest and Climate Change

As at: February 2026